

मैनु सोहने तेरे दीदार दी आदत पे गई है

मैनु सोहने तेरे दीदार दी आदत पे गई है,
इक मीठे जाहे खुमार दी आदत पे गई है,

नैना न कोई होर न जच्चा तकना तनु चावा मैं,
कदे ते आवे गली तू साड़ी बैठी मल के रहावा मैं,
साहनु तेरे इंतज़ार दी आदत पै गई है,
मैनु सोहने तेरे दीदार दी आदत पे गई है,

रोका टोका नित समजावा ता भी ता एह रुकदा नहीं,
परदे पावा लख छुपावा हाल दिला दा छुपा दा नहीं,
जल दिल नू भी इजहार दी आदत पे गई है,
मैनु सोहने तेरे दीदार दी आदत पे गई है,

सुध भुध भूल के अपनी सजना तेरे विच मैं खो गई आ,
तन मन करके समपर्ण तेरे हवाले हो गई हां,
तेरी जिद दे बदले हार दी आदत पै गई है,
मैनु सोहने तेरे दीदार दी आदत पे गई है,

तेरे दर्श बिन वे सजना मेरा कोई गुजरा नहीं,
मैं दीवानी बेवस हो गई चलदा कोई विचार नि,
सागर मैनु ता दिल दार दी आदत पै गई है,
मैनु सोहने तेरे दीदार दी आदत पे गई है,

स्वर : [चित्र विचित्र](#)

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/7223/title/mainu-sohne-tere-dedar-di-addat-pae-gai-hai>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |